

प्रेषक,

एल० फैनर्झ,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में

निदेशक,
अर्थ एवं संख्या निदेशालय,
उत्तरांचल, देहरादून ।

नियोजन अनुभाग ।

देहरादून:दिनांक: ०४ दिसम्बर, 2,005

विषय:-

अनुदान संख्या—०७ के अधीन लेखाशीर्षक संख्या—३४५४— के अंतर्गत ०३ अर्थ एवं संख्या अधिष्ठान के १७—किराया उपशुल्क एवं कर स्वामित्व मद में पुनर्विनियोग के माध्यम से वित्तीय वर्ष २००५—०६ के लिए अतिरिक्त धनराशि की स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक—१२७५/३—ले०पुर्न०/०५—०६ दिनांक २९ अक्टूबर, २००५ के संदर्भ में १७—किराया उपशुल्क एवं कर स्वामित्व मद में संलग्न बी०एम०—१५ के अनुसार बचतों से व्यावर्तित करते हुए चालू वित्तीय वर्ष २००५—०६ में रूपये १.६० लाख (रूपये एक लाख साठ हजार मात्र) की अतिरिक्त धनराशि श्री राज्यपाल आपके निवर्तन पर रखते हुए व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं :—

१— उक्त धनराशि केवल उन्हीं मदों पर व्यय की जायेगी जिनके लिए यह स्वीकृत की जा रही है । चालू योजना पर ही व्यय किया जाय और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नई मदों के कियान्वयन के लिए नहीं किया जायेगा ।

२— स्वीकृत कार्यों पर व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर पर्चेज रूल्स एवं मितव्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय—समय पर जारी निर्देशों का पालन कड़ाई से किया जायेगा ।

३— स्वीकृत की जा रही धनराशि का एकमुश्त आहरण न करके यथा आवश्यकता अनुसार ही व्यय किया जायेगा तथा व्यय का विवरण यथासमय प्रत्येक माह बी०एम०—१३ पर शासन को उपलब्ध कराया जाय ।

४— यह सुनिश्चित किया जाय कि शासन द्वारा उपरोक्त निर्देशों के अतिरिक्त इस संबंध में अब तक जारी शासनादेशों का अनुपालन अधीनस्थ तक भी सुनिश्चित करने का कष्ट करें ।

५— इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष २००५—०६ के आय—व्ययक की अनुदान संख्या—०७ के अंतर्गत लेखाशीर्षक—३४५४—जनगणना, सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी—०२—सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी—आयोजनेत्तर—००१—निदेशन तथा प्रशासन—०३—अर्थ एवं संख्या अधिष्ठान—१७—किराया उपशुल्क एवं कर स्वामित्व के नामें डाला जायेगा ।

6— यह स्वीकृति वित्त विभाग के अशासकीय संख्या—1109/XXVII/5 (1)/2005 दिनांक 01 दिसम्बर, 2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।
संलग्नक—यथोक्त ।

भवदीय,

(एल० फैनई)
अपर सचिव ।

संख्या—813 (1)/XXVI/2005 तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

- 1— महालेखाकार, उत्तरांचल,ओबेराय बिल्डिंग,सहारनपुर रोड, देहरादून ।
- 2— वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून ।
- ✓3— वित्त अनुभाग—5, उत्तरांचल शासन ।
- 4— समन्वयक,राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून ।
- 5— गार्ड फाइल ।

आज्ञा से,

1. ०६/१२/०८
(एल० फैनई)
अपर सचिव ।

बजट प्राविधान तथा लेखाधीर्षक का विवरण	मानक मदवार अध्यावधिक व्याय	वित्तीय वर्ष के शेष अवधिमें अनुमानित व्याय	अद्योष धनराशि (सरलकरण)	लेखाधीर्षक विभाग स्थानान्तरित किया जाना है	जिसमें स्थान अनुलेखन की कूल धनराशि	धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्थान -5 की कूल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्थान -01 में अवशेष धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्थान -01 में अवशेष धनराशि
1	3	4	5	6	7	8	9	10	11
3454—जननगणना सर्वेक्षण तथा सांखिकी 02—सर्वेक्षण तथा सांखिकी—आयोजनेत्तर 001—निदेशन तथा प्रशासन 03—अर्थ एवं संख्या अधिकारन—17—किरणा उपशुल्क एवं कर खासित 160 (ख)	2	3	4	3454—जननगणना सर्वेक्षण तथा सांखिकी 02—सर्वेक्षण तथा सांखिकी—आयोजनेत्तर 001—निदेशन तथा प्रशासन 03—अर्थ एवं संख्या अधिकारन—17—किरणा उपशुल्क एवं कर खासित 160 (ख)	90	90	90	90	90
3454—जननगणना सर्वेक्षण तथा सांखिकी—02—सर्वेक्षण तथा सांखिकी—आयोजनेत्तर—001—निदेशन तथा प्रशासन—03—अर्थ एवं संख्या अधिकारन—26—मशीन और संयंत्र—सज्जा/उपकरण 250	160	160	160 (ख)	160 (ख)	160	160	160	160	160
योग— 250	—	90	90	90	160	160	160	160	160

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग के बजट मैनुअल के परिवर्त्ते— 150, 151, 155, 156 में उल्लिखित प्राविधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

(एवं फैनई)
अपर सचिव ।

संख्या:

उत्तरांचल शासन

वित्त अनुभाग-३

(1) / वि०अनु०-०३/२००५

देहरादून: दिनांक

पुर्वविनियोग रवीकृत

अपर सचिव,

वित्त।

सेवा में

निदेशक,
अर्थ एवं संख्या निदेशालय,
उत्तरांचल-देहरादून।

संख्या /०२ XXVI /२००५-०६ दिनांक:

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, उत्तरांचल, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग माजरा देहरादून।
2. मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
3. वित्त अनुभाग, ०३ उत्तरांचल शासन, देहरादून।

आज्ञा से
अपर सचिव,
नियोजन।